डिजिटल भाषा प्रयोगशाला

चार भाषा सीखने के कौशल अर्थात् सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना को सुविधाजनक बनाने और बढ़ाने के लिए, केन्द्रीय विद्यालय, एनएफआर, मालीगांव में एक डिजिटल भाषा प्रयोगशाला है, जिसमें छात्र अपनी भाषा कौशल को कुशलतापूर्वक विकसित करते हैं। मुख्य उद्देश्य कक्षा शिक्षण-अधिगम की सीमाओं और सीमाओं से परे भी सीखने को संभव बनाना है। प्रयोगशाला इलेक्ट्रॉनिक ध्वनि-प्रजनन उपकरणों से सुसज्जित है, जिससे छात्र पैटर्न अभ्यास में संलग्न होने के साथ-साथ विभिन्न भाषाओं के मॉडल उच्चारण सुनने की पहुँच के साथ-साथ भाषा के अपने ज्ञान को बढ़ाने में सक्षम होते हैं। इसमें प्रत्येक छात्र की सहायता के लिए हेडफ़ोन, माइक्रोफ़ोन, ओवरहेड-प्रोजेक्टर और कंप्यूटर सिस्टम जैसे ऑडियो-विज़ुअल सहायक उपकरण शामिल हैं। प्रयोगशाला छात्रों के बीच संचार कौशल के निर्माण का कुशलतापूर्वक निर्माण करती है क्योंकि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के लिए आसानी से उपलब्ध विभिन्न उपकरणों की मदद से कई मजेदार गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती हैं। भाषा सीखने के विभिन्न पहलुओं जैसे प्रवाह, शब्दावली, भाषण आदि को शिक्षण सहायक उपकरणों से बेहतर बनाया जाता है। यह छात्रों को कंप्यूटर पर आधारित बहुत अधिक विविध प्रकार की गतिविधियों और अभ्यासों के साथ भाषा का अभ्यास करने की अनुमति देता है। सीखना एक संरचित तरीके से, वास्तविक संदर्भ में और दृष्टिगत रूप से आकर्षक तरीके से होता है जो विद्यार्थी को भाषा सीखने के माहौल में डुबो देता है और भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देता है।